vinetur

मांग 20% गिरने पर कैलिफ़ोर्निया के वाइन अंगूर उत्पादकों को खरीदार नहीं मिल रहे

कई दाखबेलें कटाई के लिए बिना अनुबंध के पहुंचीं, जिससे किसानों की मोलभाव करने की ताकत कम हुई और अतिरिक्त फसल के लिए विकल्प सीमित हो गए।

मंगलवार, 22 सितंबर 2026



कैलिफ़ोर्निया के वाइन अंगूर उत्पादकों को इस साल की फसल के लिए खरीदार ढूंढ़ने में मुश्किल हो रही है, क्योंकि वाइन की मांग कमजोर पड़ रही है और बाजार में उतने से ज्यादा अंगूर हैं जितने वाइनरी खरीदना चाहती हैं।

The Associated Press के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में कैलिफ़ोर्निया में वाइन की खपत 20% से अधिक घट गई है। इस गिरावट ने अंगूर की कीमतें नीचे धकेल दी हैं और कई उत्पादक कटाई के समय बिना अनुबंध के पहुंच रहे हैं, जो ऐसे कारोबार में असामान्य रूप से कठिन स्थिति है जो अक्सर दाखबेलों और वाइनरियों के बीच पहले से हुए समझौतों पर निर्भर करता है।

यह समस्या बढ़ते मौसम के एक अहम दौर में सामने आ रही है। कटाई वह समय है जब दाखबेलों को फल तेजी से

निकालना होता है, क्योंकि पकने के बाद अंगूर बेल पर अनिश्चित काल तक नहीं रह सकते। जब खरीदार पहले से तय न हों, तो उत्पादकों की कीमत संबंधी बातचीत में पकड़ कम हो जाती है और इस बारे में अनिश्चितता बढ़ जाती है कि उनकी फसल का कितना हिस्सा बिकेगा।

यह मंदी आपूर्ति और मांग के उस असंतुलन को दिखाती है जो वाइनरियों के कमजोर बिक्री के अनुरूप खुद को ढालने के साथ बढ़ता गया है। जब दुकानों, टेस्टिंग रूम और वितरण चैनलों में वाइन की बिक्री धीमी होती है, तो उत्पादकों के लिए बड़े पैमाने पर अंगूर खरीदने की प्रतिबद्धता का औचित्य कम रह जाता है। यह दबाव फिर आपूर्ति श्रृंखला के जरिये किसानों तक पहुंचता है, जो श्रम, पानी, जमीन और कृषि इनपुट्स की लागत में वर्षों की बढ़ोतरी के बाद अब कम रिटर्न का सामना कर रहे हैं।

निर्यात बाजार, जो कभी-कभी अतिरिक्त आपूर्ति को समेटने में मदद कर सकते हैं, उन पर भी भरोसा करना मुश्किल हो रहा है। AP ने बताया कि टैरिफ और अन्य वाइन-उत्पादक क्षेत्रों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा कैलिफ़ोर्निया के उत्पादकों और वाइनरियों के लिए विदेशों में बिक्री को और कठिन बना रही है। इससे उन प्रमुख बाजारों में से एक घट जाता है जो अन्यथा घरेलू अधिक आपूर्ति को कम करने में मदद कर सकता था।

व्यापक पेय उद्योग के लिए यह गिरावट इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि आने वाले महीनों में यह अंगूर की आपूर्ति, अनुबंध संबंधी फैसलों और वाइन कारोबार में कीमतों को आकार दे सकती है। अगर स्टॉक ऊंचा बना रहता है और वाइनरी खरीद को लेकर सावधानी बरतती रहती हैं, तो उत्पादकों पर कम कीमतें स्वीकार करने का दबाव बढ़ सकता है, जबकि उत्पादक और वितरक आपूर्ति प्रतिबद्धताओं और निर्यात मांग पर करीबी नजर बनाए रख सकते हैं। ये प्रभाव अभी संभावित नतीजे हैं, तय निष्कर्ष नहीं, लेकिन वाइन उत्पादन और बिक्री से जुड़े कंपनियों के लिए ये अहम संकेत हैं।

बाजार में यह बदलाव यह भी दिखाता है कि दीर्घकालिक योजना पर आधारित उद्योग में हालात कितनी तेजी से बदल सकते हैं। बाग मालिक सालों पहले फैसले लेते हैं, आने वाली फसल को ध्यान में रखकर रकबा लगाते और बेलों का प्रबंधन करते हैं। लेकिन उपभोक्ता मांग इससे कहीं तेज बदल सकती है। जब बिक्री धीमी पड़ती है, तो उत्पादकों के लिए तुरंत उत्पादन घटाना आसान नहीं होता, और किसी खास मौसम में बाजार में खरीदारों की चाहत से ज्यादा फल रह सकता है।

यह मौजूदा दबाव ऐसे समय में आया है जब वाइन सेक्टर की कई कंपनियां पहले से ही बदलती उपभोक्ता आदतों के जवाब देने की कोशिश कर रही हैं। कुछ ग्राहक कम वाइन खरीद रहे हैं, जबकि अन्य अलग-अलग मूल्य श्रेणियों या अल्कोहलिक पेयों की दूसरी श्रेणियों की ओर जा रहे हैं। लेकिन उत्पादकों के लिए तात्कालिक मुद्दा इससे भी बुनियादी है : ऐसा वाइनरी ढूंढ़ना जो फल लेने को तैयार हो और इतना भुगतान करे कि उत्पादन लागत निकल सके।

कैलिफ़ोर्निया का अंगूर बाजार लंबे समय से अमेरिकी वाइन उद्योग की सेहत से गहराई से जुड़ा रहा है, इसलिए पांच साल में खपत में 20% से अधिक की गिरावट महत्वपूर्ण है। इसका असर हर दाखबेल या हर क्षेत्र पर एक जैसा नहीं पड़ता, लेकिन यह उन उत्पादकों पर व्यापक दबाव बनाता है जो कारोबार को लाभदायक बनाए रखने के लिए नियमित अनुबंधों और स्थिर कीमतों पर निर्भर हैं।

कटाई जारी रहने के साथ, कई किसानों को कमजोर मांग, कम कीमतों और अपनी फसल के लिए कम स्पष्ट बाजारों वाले माहौल को संभालना पड़ रहा है। नतीजा ऐसे उद्योग के लिए कठिन मौसम है जो समय, अनुबंध और स्थिर बिक्री पर निर्भर करता है, और यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब इन स्थितियों को सुनिश्चित करना और भी मुश्किल हो गया है।